वाक्य रचना

रूपरेखा

वाक्य का अर्थ
वाक्य के अंग
वाक्य के भेद

वाक्य रचना

- दो या दो से अधिक शब्दों के सार्थक समूह को **वाक्य** कहते हैं।

- शब्दों का ऐसा समूह जिससे कोई अर्थ निकल रहा हो, वह वाक्य कहलाता है।
- सार्थकता - वह खाता है ।
- क्रमबद्धता - राकेश जूस पी रहा है ।

वाक्य के अंग

उद्देश्य　　विधेय

(1) **उद्देश्य →**
वाक्य में जिसके विषय में बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं |
उद्देश्य के अंतर्गत कर्ता तथा कर्ता का विस्तार आता है |
जैसे → **वैशाली** कपड़े धो रही थी |
दमयंती ने खाना बनाया |

(2) **विधेय →** क्रिया
जैसे → रोहन **झगड़ रहा था** |
राधा **सितार बजा रही है** |

वाक्य के भेद

वाक्य भेद दो प्रकार से किए जा सकते हैं

(1) अर्थ के आधार पर

(2) रचना के आधार पर

रचना के आधार पर

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्रित वाक्य

(1) सरल वाक्य

जिस वाक्य में एक ही उद्देश्य तथा एक ही विधेय होता है, उसे सरल वाक्य कहते हैं |

जैसे → राम ने रावण को मारा
उद्देश्य = राम ने
विधेय = रावण को मारा |

अमित खाना खा रहा है |
उद्देश्य = अमित
विधेय = खाना खा रहा है |

(2) संयुक्त वाक्य

जिस वाक्य में दो-या-दो से अधिक स्वतंत्र उपवाक्य योजक या समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा जुड़े हों, उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं |

जैसे →

हमने फिल्म का टिकट खरीदा **और** सिनेमा हॉल चले गए |

पिताजी बाजार गए **और** हमारे लिए मिठाई लाए |

(3) मिश्रित वाक्य

जिस वाक्य में एक से अधिक सरल वाक्य इस प्रकार जुड़े हो कि उनमें एक प्रधान उपवाक्य तथा अन्य आश्रित उपवाक्य हों | उसे मिश्रित वाक्य कहते हैं |

जैसे → वेदांत ने कहाँ कि मैं गाँव नहीं जाऊँगा |

प्रधान उपवाक्य = वेदांत ने कहाँ
आश्रित उपवाक्य = कि मैं गाँव नहीं जाऊँगा |

वे सफल होते हैं जो परिश्रम करते है |

प्रधान उपवाक्य = वे सफल होते हैं
आश्रित उपवाक्य = जो परिश्रम करते है |

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

अर्थ के आधार पर आठ प्रकार के वाक्य होते हैं

(1) विधानवाचक वाक्य

(2) निषेधवाचक वाक्य

(3) विस्मयवाचक वाक्य

(4) संदेहवाचक वाक्य

(5) आज्ञावाचक वाक्य

(6) संकेतवाचक वाक्य

(7) इच्छावाचक वाक्य

(8) प्रश्नवाचक वाक्य

(1) विधानवाचक वाक्य

जिस वाक्य में किसी बात या **कार्य के होन** या **करने का सामान्य कथन** हो, उसे विधानवाचक वाक्य कहते है |

जैसे → वेदांत विद्यालय **जा रहा है** |
→ बलवीर ने **भाषण दिया** |

(2) निषेधवाचक वाक्य

जिस वाक्य में **क्रिया के करने या होने** का **निषेध** हो, उसे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं |

जैसे → मैं बाजार **नहीं** जाऊँगा |

→ मोहन घूमने **नहीं** जा रहा |

(3) आज्ञावाचक वाक्य

जिस वाक्य से **आज्ञा, अनुमति, विनय** या **अनुरोध** का बोध हो, उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं |

जैसे → **कृपया** हस्ताक्षर कर दीजिए |

तुम अंदर जाकर पढ़ाई करो |

(4) प्रश्नवाचक वाक्य→

जिन वाक्यों द्वारा **प्रश्न करने** का भाव प्रकट होता है, उन्हें प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं |

जैसे → राहुल को **किसने** डाँट दिया **?**
आपको **किससे** मिलना है **?**

(5) इच्छावाचक वाक्य

जिस वाक्यों से **इच्छा, आशीर्वाद, कामना, शुभकामना** आदि का भाव प्रकट होता है, उसे इच्छावाचक वाक्य कहते हैं |

जैसे → आपकी यात्रा **मंगलमय** हो |
ईश्वर तुम्हें लंबी आयु दे |

(6) संदेहवाचक वाक्य

ऐसे वाक्य जिनसे कार्य के होने या न होने के प्रति **संदेह या संभावना** प्रकट होती है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं |

जैसे → **शायद** कल वर्षा हो जाए |
क्या वह यहाँ आ गया ?

(7) संकेतवाचक वाक्य

जिन वाक्यों में किसी **संकेत** का बोध होता है, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं।

जैसे →

राम का मकान **उधर** है।

सोनु **उधर** रहता है।

(8) विस्मयवाचक वाक्य

जिस वाक्य से **हर्ष, शोक, आश्चर्य, घृणा,** आदि भावों का बोध होता है, उसे विस्मयवाचक वाक्य कहते हैं |

जैसे → **बाप रे !** इतना मोटा चूहा |

बल्ले! हम जीत गये।